नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

जीएसटी सुधार : बचत उत्सव और आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन वस्तुत: अर्थव्यवस्था और नागरिक जीवन को एक नई दिशा देने वाला संदेश है. इसमें नवरात्र के पावन अवसर पर उन्होंने 'बचत उत्सव' का आह्वान किया, जो न केवल त्योहारों की खुशियों को बढ़ाता है बल्कि आर्थिक सुधारों की ठोस तस्वीर भी प्रस्तुत करता है. जीएसटी के ताज़ा सुधार इसी सकारात्मक परिप्रेक्ष्य का हिस्सा हैं.

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जीएसटी के सरलीकरण से न केवल कर संरचना आसान हुई है, बल्कि आम उपभोक्ता और छोटे व्यवसाय दोनों को दोहरी राहत मिलेगी. टैक्स दरों को घटाकर केवल 5 और 18 प्रतिशत स्लैब तक सीमित करना, रोजमर्रा के जीवन पर सीधे असर डालने वाला कदम है. ब्रश-पेस्ट, दवाइयां, खाने-पीने का सामान, बीमा जैसी आवश्यक वस्तुओं पर या तो शून्य कर या न्यूनतम 5 प्रतिशत कर लागू होगा. यह कदम मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधे राहत देगा और साथ ही त्योहारों की खरीददारी के दौरान उपभोक्ताओं के उत्साह को दोगुना करेगा.

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से लघु, कुटीर और एमएसएमई उद्यमों का उल्लेख किया. यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत की प्राचीन समृद्धि का आधार यही छोटे उद्योग रहे हैं. आज यदि इन्हें सस्ता टैक्स और आसान प्रक्रियाओं का लाभ मिलेगा, तो उत्पादन बढ़ेगा, बिक्री में तेजी आएगी और रोजगार सृजन के नए अवसर बनेंगे. इससे 'आत्मनिर्भर भारत' का सपना और सशक्त होगा. प्रधानमंत्री का यह कहना कि 'गर्व से कहो मैं स्वदेशी खरीदता हूं' वस्तुत: उपभोक्ता आचरण को बदलने का आह्वान है. यह विचार यदि जनमानस में गहरे बैठ जाए तो भारतीय उत्पादन क्षमता को अप्रत्याशित बल मिलेगा. स्वदेशी का आग्रह केवल भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय आत्मविश्वास की कुंजी है. प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में 'नियो मिडिल क्लास' का उल्लेख करते हुए बताया कि पिछले एक दशक में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं. यह नया वर्ग महत्वाकांक्षी है, जिसके सपने घर, वाहन, यात्रा और गुणवत्तापूर्ण जीवन से जुड़े हैं. टैक्स राहत और जीएसटी सुधार मिलकर इस वर्ग की आकांक्षाओं को साकार करने का माध्यम बन सकते हैं. जब घर बनाना, वाहन खरीदना और यात्रा करना सस्ता होगा तो यह वर्ग खपत को बढ़ाएगा और अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा डालेगा.

जीएसटी सुधार केवल कर नीति का परिवर्तन नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक एकता और दक्षता का प्रतीक है. पहले अलग-अलग राज्यों में टैक्स और टोल के जाल से कंपनियां परेशान रहती थीं. आज 'वन नेशन, वन टैक्स' की व्यवस्था ने उस अव्यवस्था को समाप्त किया है. यह सुधार न केवल व्यापार को आसान बनाता है बल्कि उपभोक्ताओं के लिए भी कीमतों को नियंत्रित करता है. नवरात्र और आने वाला त्योहार सीजन देश की आर्थिक धड़कन को तेज करता है. ऐसे समय प्रधानमंत्री का 'बचत उत्सव' का आह्वान न केवल आश्वस्त करता है बल्कि उपभोक्ताओं को सीधे लाभ का भरोसा भी देता है. यह त्योहार अब सिर्फ धार्मिक या सामाजिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि का भी उत्सव बनेंगे. निस्संदेह, जीएसटी सुधार भारत की विकास यात्रा में 'नेक्स्ट जेन' कदम हैं. इनसे छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन, उपभोक्ताओं को राहत और राष्ट्र को आत्मनिर्भरता की नई ऊर्जा मिलेगी. प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट है—जब केंद्र और राज्य मिलकर सुधारों की गति तेज करेंगे, तब विकसित भारत का सपना साकार होगा. यही 'बचत उत्सव' का असली अर्थ है.

नवरात्रि का वैज्ञानिक स्वरूप

आचार्य ओम प्रकाश मिश्र
वरिष्ठ अर्चक, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

हमारी चेतना के अंदर सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण- तीनों प्रकार के गुण व्याप्त हैं. प्रकृति के साथ इसी चेतना के उत्सव को नवरात्रि कहते है. इन नौ दिनों में पहले तीन दिन तमोगुणी प्रकृति की आराधना करते हैं, दूसरे तीन दिन रजोगुणी और आखरी तीन दिन सतोगुणी

नवरात्र का वैज्ञानिक आधार- मनीषियों ने रात्रि के महत्व को अत्यंत सूक्ष्मता के साथ वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में समझने और समझाने का प्रयत्न किया. वैदिक काल में देवियों का स्थान उच्चतम स्तर पर था. देवी शब्द का लिखित प्रयोग भी सर्वप्रथम ऋग्वेद में ही प्राप्त होता है. भव्य, चमत्कृत, दिव्य, प्रकाशित आदि इसके अर्थ गृहण किए गये हैं.

देवी वस्तुत- ईश्वर का ही मातृ-स्वरुप है. मनुष्य को अभ्युदय और नि:श्रेयस का जो वर देती हैं, उन्हें ही देवी कहते हैं. शक्ति को दूसरे शब्दों में पावर या एनर्जी कहते हैं. ऋग्वेद- मण्डल दस का आत्म-सूक्तम देवी तत्व का विशद विश्लेषक है. माँ के ममतामयी रूप में ईश्वरीय सत्ता को आत्मसात करने की परिकल्पना संभवत- वेदों से भी पुरानी है. वैदिक मनीषियों ने भी इसे मान्यता दी है. अम्बिका, गौरी, उमा, हैमवती, कालरात्रि, लक्ष्मी, सरस्वती, मही, दुर्गा, गायत्री आदि इसकेप्रतीक हैं. धेनु, धरती, नदियों व वनस्पतियों तक में उसी देवी - शक्ति का साक्षात्कार किया गया है. अर्थववेद में तो दे-पत्नियों, औषधियों और विदुषी नारियों,यहाँ तक कि प्रत्येक स्त्रीलिंगी प्रत्ययों में देवीत्व के दर्शन दिये गये हैं.

नवरात्र शब्द से नव अहोरात्रों (विशेष रात्रियां) का बोध होता है. इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है क्योंकि रात्रि शब्द सिद्धि का प्रतीक माना जाता है. भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों ने रात्रि को दिन की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है. यही कारण है कि दीपावली, होलिका, शिवरात्रि और नवरात्र आदि उत्सवों को रात में ही मनाने की परंपरा है.इन नवरात्रों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति संचय करने के लिए अनेक प्रकार के व्रत, संयम, नियम, यज्ञ, भजन, पूजन, योग-साधना आदि करते हैं.

यह एक सर्वमान्य वैज्ञानिक तथ्य भी है कि रात्रि में प्रकृति के बहुत सारे अवरोध खत्म हो जाते हैं. हमारे ऋषि-मुनि आज से कितने ही हजारों-लाखों वर्ष पूर्व ही प्रकृति के इन वैज्ञानिक रहस्यों को जान चुके थे. रात्रि में आवाज दी जाए तो वह बहुत दूर तक जाती है. इसके पीछे दिन के कोलाहल के अलावा एक वैज्ञानिक तथ्य यह भी है कि दिन में सूर्य की किरणें आवाज की तरंगों और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती हैं.

नवरात्र के पीछे का वैज्ञानिक आधार यह है कि पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा काल में एक साल की चार संधियां हैं जिनमें से मार्च व सितंबर माह में पड़ने वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं. इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है. ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं. अत- उस समय स्वस्थ रहने के लिए तथा शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णत- स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम नवरात्र है.

प्रकृति ही पृथ्वी का मूल है जिसने इस संसार के प्राणियों को जन्म दिया है. यही पालनकर्ता है और यही संहारकर्ता भी. इस संसार में जब विपत्तियाँ आती हैं तो वही प्रकृति रूपा माँ अनेक रूपों तथा नामों से इस पृथ्वी पर स्थूल रूप से प्रकट होती है और समस्त बाधाओं को दूर व अनाचार को समाप्त कर सदाचार को पुन: स्थापित कर अपने लोक (धाम) चली जाती है. ऐसी मातृशक्ति को हम दुर्गा भुवनेश्वरी आदि नामों से जानते हैं. समस्त देव शक्तियाँ उसी देवी के अंश तथा रूप हैं. यही कारण है कि विश्व भर में उस निराकार शक्ति का स्त्री रूप में ही विभिन्न रूपों तथा नामों से पूजन किया जाता.

मालवा- निमाड़ की डायरी

दीपक जोशी के लिए खुल सकता है नया द्वार!

संजय व्यास

25 वर्षों के बाद बागली विधानसभा का जातिगत परिसीमन यदि होता है तो आने वाली विधानसभा में देवास जिले में एक सीट और बढ़ने की संभावना है और परिसीमन 2026 में खंडवा लोकसभा के भी परिसीमन के चलते बागली विधानसभा को इंदौर लोकसभा में शामिल करने की संभावना है. हालांकि यह मांग बहुत दिनों से उठ रही है कि बागली विधानसभा के लिए खंडवा लोकसभा मुख्यालय भौगोलिक दृष्टि से दूर होने के साथ-साथ अलग-थलग पड़ जाता है.

इसी प्रकार हाटपिपलिया विधानसभा क्षेत्र भी देवास जिले के दूर-दराज हिस्से शिप्रा और बरलाई तक होने से मतदाताओं को भी विधायक से संपर्क करने में परेशानी आती है. वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी खुद चाहती है कि परिसीमन के तहत जिले को एक सीट और मिले और लोकसभा क्षेत्र में भी परिवर्तन हो. फिलहाल बागली सीट आरक्षित है. परिसीमन में एक सीट का इजाफा होता है तो वह सीट अनारक्षित होगी. पूर्व शिक्षा मंत्री दीपक जोशी भारतीय जनता पार्टी में सक्रिय होकर फिर से अपनी जमीन संभालने के लिए प्रयत्नरत हैं. इस परिस्थिति में दीपक जोशी के लिए विधान सभा लडने का नया द्वार खुल सकता है. नई सीट के उदय पर नजरे टिकाए मालवा क्षेत्र में दीपक जोशी की सक्रियता और लगातार संगठन के लोगों से मिलना जुलना इस बात को मजबूती देता है कि उनके लिए संगठन कोई ना कोई स्थान जरूर तलाश कर रहा है. दीपक जोशी अच्छे वक्ता होने के साथ-साथ कुशल राजनीतिज्ञ भी है. आज भी देवास जिले में उनके समर्थकों की संख्या बहुत बड़ी मात्रा में है. उल्लेखनीय है कि जोशी ने 2018 में अपनी हाटपिपलिया सीट खो दी थी. नए समीकरण में कांग्रेस से विधायकी छोड़ भाजपा में आए मनोज चौधरी को ही उपचुनाव में भाजपा से टिकट दिया गया, जो उन्होंने जीता जबकि अपनी सीट पर जोशी टिकट के दावेदार थे. इससे नाराज दीपक जोशी ने पार्टी छोड़ दी थी और कांग्रेस में चले गए थे, लेकिन उनकी विचारधारा की पटरी नहीं बैठने से वे कुछ समय बाद वापस भाजपा में लौट आए.

निगम-मंडल अध्यक्ष नियुक्तियों पर आस

देवास जिले में हाटपिपलिया विधानसभा क्षेत्र ऐसा है जहां से अभी तक कांग्रेस और भाजपा के तीन प्रमुख लोग निगम मंडल पर काबिज हुए हैं. इसमें भारतीय जनता पार्टी के वर्तमान जिला अध्यक्ष राय सिंग सेंधव पूर्व में पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष रहे. इसी क्षेत्र से पूर्व विधायक तेज सिंह सेंधव हस्तशिल्प विकास निगम के अध्यक्ष रहे. कांग्रेस की ओर से शांतिलाल गामी बीज निगम में अध्यक्ष रहे. इसी प्रकार दिवंगत पूर्व विधायक श्याम होलानी वेयरहाउस निगम अध्यक्ष रहे. बाकी नेता प्रदेश के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री, पर्यटन मंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, शिक्षा मंत्री जैसे पदों पर आसीन हो चुके हैं. इस विधान सभा क्षेत्र की महत्ता को देखते हुए क्षेत्र के कई नेता आगामी निगम-मंडल अध्यक्ष की नियुक्तियों पर आस लगाए बैठे हैं. क्या पता भाजपा सरकार इतिहास को दोहराते हुए किसी की झोली में कोई पद डाल दे.

कांग्रेस में नई जान फूंकने में जुटीं प्रतिभा

खण्डवा शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी सुस्त पड़ी कांग्रेस में नई जान फूंकने के लिए कार्यकर्ता एकजुट करने में लगी हुई हैं. अरुण यादव व राजनारायण सिंह पुरनी गुटों में बटे हुए है. इनकी आपसी खींचतान के चलते पार्टी के कार्यक्रम फलीभूत नहीं होते. यही कारण है कि कांग्रेस की गतिविधिया नगण्य दिखाई देती हैं. नगर निगम नेता प्रतिपक्ष दीपक मुल्लु राठौर जरूर अपनी हरकतों से जब-तब कांग्रेस को चर्चा में ला देते हैं, पर उनमें गंभीरता नहीं दिखती. अब नगर में कांग्रेस की सक्रियता का बीड़ा शहर अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी ने उठाया है. सभी पार्षदों के साथ कार्यकर्ताओं को एकत्रित कर नई रणनीति बनाई गई है. इसमें बिजली, पानी, सडक़ और अन्य जनसमस्याओं को उठाने एवं उनके समाधान को लेकर आंदोलन करने का टास्क कार्यकर्ताओं को दिया गया है.

अमेरिकी वीजा शुल्क में मनमानी वृद्धि

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मनमानी चरम पर पहुंच गई है. अपने मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) अभियान के तहत वे ऐसे कदम उठा रहे हैं जिन्हें भारत अपने लिए अमैत्रीपूर्ण मानने को बाध्य है. टैरिफ में भारी वृद्धि के बाद अब उन्होंने एच-1बी वीजा बम का धमाका कर दिया. अमेरिका की आईटी सेवाएं मुख्यत: भारतीय ही चलाते हैं जो गोरों की तुलना में कम वेतन पर अधिक घंटे काम करते हैं और अमेरिका की प्रगति में सराहनीय योगदान देते रहे हैं. अब ट्रंप ने प्रतिभाशाली भारतीयों के अमेरिकन ड्रीम (अमेरिका जाकर धन व बेहतर जीवन स्तर हासिल करने के सपने) को चकनाचूर कर दिया. ट्रंप के एच-1बी वीजा नियमों में बदलाव का असर 3,00,000 से अधिक भारतीयों पर पड़ेगा. अमेरिका अब एच-1 बी वीजा के लिए हर साल 1,00,000 डॉलर या 88 लाख रुपए एप्लीकेशन फीस वसूल करेगा. इसके पहले इस वीजा के लिए 5 लाख रुपए लगते थे और वह 3 वर्ष के लिए मान्य था. उसे 3 वर्ष बाद रिन्यू कराना पड़ता था. अब यह खर्च 50 गुना से भी ज्यादा बढ़ जाएगा. ट्रंप नहीं चाहते कि भारतीय अमेरिका आएं और वहां नौकरी करें. यदि वह गोरों को रोजगार देना चाहते हैं। हैं तो क्या वह वह इतने काबिल हैं? वह कम वेतन पर काम करने को

जिन अतिकुशल भारतीयों ने अमेरिका में उद्योग बढ़ाएं, नवोन्मेष को बढ़ावा दिया, उनके साथ यह बर्ताव निंदनीय है. अब एक ही उम्मीद है कि क्या अमेरिका की अदालत में मनमानी वीजा शुल्क वृद्धि का मामला टिक पाएगा?

राजी भी नहीं होंगे, तो क्या ट्रंप आत्मघाती कदम उठा रहे हैं? अब कंपनियां सिर्फ उन्हीं कर्मचारियों को बुला सकेंगी, जिनके पास बहुत अच्छा स्किल या हुनर होगा और जिसे अमेरिकी कर्मचारी से रिप्लेस नहीं किया जा सकता. वीजा शुल्क में भारी वृद्धि का यह फैसला ऐसे समय हुआ जब कई भारतीय छुट्टी लेकर दुर्गा पूजा के लिए अमेरिका से भारत आते हैं. उन्हें एयरपोर्ट से ही उल्टे पैर अमेरिका लौटने की नौबत आ गई. सीधी नानस्टॉप फ्लाइट का डबल अर्थात 4 लाख रुपए किराया देना पड़ा, क्योंकि डेडलाइन से पहले पहुंचकर नौकरी कायम रखनी थी. ट्रंप ने वीजा फ्रॉड और एच-1 बी से जुड़ी कंपनियों पर मनी लांडरिंग और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का बेतुका आरोप लगाया.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

आशा वर्कर कायम रखें आशा मन में न रखें निराशा

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, महाराष्ट्र की आशा वर्कर बहुत दुखी हैं. उनका कहना है कि सरकार लाडकी बहीण योजना के लाभार्थियों को हर माह 1500 रुपए दे रही है लेकिन जनस्वास्थ्य के लिए दिन-रात मेहनत करने वाली आशा वर्कर को उनका 2800 प्रतिमाह का निश्चित मानधन पिछले 6 महीने से मिल नहीं पाया है.

हमने कहा, आशा वर्कर को हताशा या निराशा में नहीं डूबना चाहिए, वह आत्मविश्वास बनाए रखते हुए गा सकती हैं- छोटा सा दिल है, छोटी सी आशा! पैसे का क्या है, वह डूबने वाला थोड़े ही है. आज नहीं तो कल मिल जाएगा. देव और देवाभाऊ कहलाने वाले मुख्यमंत्री पर भरोसा रखें. जब सरकारी तिजोरी में पैसा होगा और देने का मन होगा तो रकम मिल जाएगी. गीता-सार में कहा गया है कि किस्मत से ज्यादा और वक्त से पहले कुछ नहीं मिलता. इसलिए सही समय का इंतजार करना चाहिए.

पड़ोसी ने कहा, आशा शब्द का फुलफॉर्म है- एक्रेडिटेड सोशल हेल्थ एक्टिविस्ट! आशा वर्कर जनगणना और हेल्थ

सर्वे करती हैं, ब्लडप्रेशर और डायबिटीज पेशंट का पता लगाती हैं. गर्भवती महिलाओं को मार्गदर्शन करती हैं. इसके अलावा 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करती हैं. गरीब, ग्रामीण और झोपड़बस्तियों में रहने वालों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देती हैं. इतना ही नहीं वह मलेरिया और फाइलेरिया विभाग की भी मदद करने में लगी हैं और पता लगा रही हैं कि मच्छर कहां पनपते हैं. घर-घर जाकर पूछती हैं कि कोई बीमार तो नहीं है? इतना काम करने पर भी दाम नहीं मिल पा रहा है.

हमने कहा, जहां उम्मीद या आशा है, वहां धैर्य रखना चाहिए. सरकार के प्रति श्रद्धा और सबूरी रखकर प्रतीक्षा करनी चाहिए, जब भी पैसा मिलेगा एरियर्स के साथ खाते में जमा हो जाएगा. आशा शब्द के साथ पॉजिटिव सोच या ऑप्टिमिज्म जुड़ा है. 12000 से ज्यादा गीत गाने वाली आशा भोसले 92 वर्ष की हो चुकी हैं. आशा पारेख भी 86 साल की हैं फिल्म ब्लैकमेल में आशा ओ आशा गाना था. केएल सहगल का मशहूर गीत था कहो ना आस निराश भई! किशोर कुमार और वैजयंती माला की पुरानी मजेदार फिल्म आशा का रॉक एंड रॉल गाना था- ईना मीना डीका! जैसे रात के बाद सवेरा होता है वैसे ही अभाव के बाद संपन्नता आती है. इसके लिए मन में आशा रखनी चाहिए.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12030

- डॉ. सागर खादीवाला

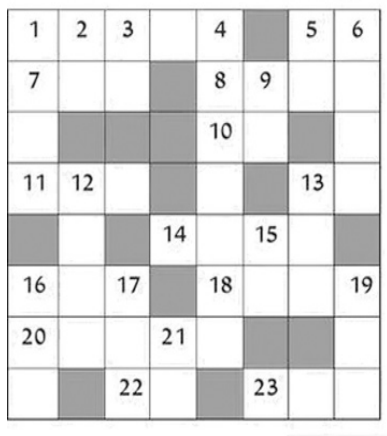

प्रजा 4. ताप को रोकने वाला 5. परिचर्चा, खिदमत 6. देश या समाज की प्रचलित रीति, लोकाचार 9. ईर्ष्या (उर्दू) 12. छूट (उर्दू) 13. तारने वाला, आंख की पुतली 15. कार्य 16. अक्षर 17. बहने वाला पदार्थ, द्रव, अस्थिर 19. मूर्खता, नासमझी 21. नौका

बाएं से दाएं

1. राज्य की शासन व्यवस्था में अशांति की अवस्था या भाव 5. शैय्या 7. घर, गृह, निवास स्थान (उर्दू) 8. पतंगा, आज्ञा पत्र (उर्दू) 10. आंसू (उर्दू) 11. शीघ्र 13. धातु से बनी हुई पतली डोर 14. वास्ता, लगाव 16. समकोण चतुर्भुज, कुशन का वाक्य 18. धम शब्द होना 20. खतरे से भरा हुआ 22. रामचंद्रजी के एक पुत्र का नाम 23. निशा, रात्रि (सं.)

ऊपर से नीचे

1. अमर होने का भाव 2. पूर्णिमा की रात, पूर्णमासी (सं.) 3. लोग,

Solution 12029

अ	रि	■	सा	ध	क	■	प
व	क्त	■	व	■	न	श्व	रा
सा	■	वि	धा	य	क	■	म
न	शे	म	न	■	■	फ	र्श
■	फा	ल	■	स	म	■	■
बे	ली	■	पा	र	द	र्श	क
श	■	■	दु	का	न	■	पू
क	हा	नी	का	र	■	दू	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा कार्य में अचानक यात्रा हो सकती है, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन खिन्न रहेगा, व्यापार में व्यय और भागदौड़ एवं वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव हो सकता है, वर्ष के अन्त में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, व्यय में नियंत्रण रखकर कार्य करें.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंको कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, कर्मचारियों का सहयोग रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्य में ख्याति प्राप्त होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियोंको प्रोत्साहन प्राप्त होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मान सम्मान में वृद्धि होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को निज नई योजनाओं पर विचार विमर्श होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बचपन से स्वस्थ्य और युवावस्था में सामान्य कष्टों से पीड़ित रहेगा, किन्तु शीघ्र ही स्वस्थ्य हो जायेगा. विद्या के क्षेत्र में अग्रणी होगा. किसी खास विद्या का ज्ञाता होगा. माता पिता का भक्त होगा. विदेश यात्रा योग भी बनता है.

मेष- समय पर निर्णय लिये कार्य में मानसिक प्रसन्नता बढ़ेगी. प्रयास करने पर अच्छी सफलता मिलेगी. परिश्रम की अधिकता रहेगी. साहस बना रहेगा.

वृषभ- आय से अधिक व्ययहोगा, किन्तु कार्य बढ़ते जायेंगे. अवरोध नहीं आयेंगे. कोई मांगलिक कार्य बनने का योग है. साहस पुरूषार्थ रहेगा.

मिथुन- लाभ का योग है. भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी. उच्च एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों से संपर्क में आने से समस्या का समाधान होगा.

कर्क- आर्थिक कार्यों में सावधानी बांछनीय. मित्रता उपयोगी रहेगी. मान सम्मान और यश प्राप्त होगा. कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी.

सिंह- दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी. समय पर कार्य पूर्ण होंगे. मन मे संतोष का अनुभव होगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा. पदोन्नति आदि से हर्ष होगा.

कन्या- मित्रों और कुटुम्बियों के साथ रमणीक स्थल की सैर होगी. पारिवारिक प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. मनोबल बढ़ेगा. काननी कामकाज बनेंगे.

तुला- परिश्रम प्रयासों में सफलता मिलेगी. खानपान पर ध्यान देना हितकर रहेगा. पत्राचार करते समय सावधानी रखे. धार्मिक यात्रा संभाव्य है.

वृश्चिक- भौतिक सुख साधनो की प्राप्ति होगी. प्रियजनों से भेंटवार्ता होगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. मित्र वर्ग आपकी भरपूर मदद करेगा.

धनु- परिश्रम के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी. नियमितता बनी रहेगी. पूर्व नियोजित कार्य पूर्ण होंगे. अत्याधिक विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा.

मकर- पारिवारिक कार्यों में सफलता मिलेगी. मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी. मांगलिक कार्यों में खर्च होगा. मित्र मदद करेंगे. पराक्रम रहेगा.

कुम्भ- अतिथि आगमन होगा. मित्र वर्ग से मिलन होगा. पूज्य व्यक्तियों की सलाह मार्गदर्शन लाभदायक रहेगा. पुरूषार्थ बना रहेगा. धैर्य रखें.

मीन- शुभ कार्यों में खर्च होगा. भाग्यवर्धक समाचार मिलेगा. लेखनादि कार्यों में समय व्यतीत होगा. व्ययभार बढ़ेगा. संयम रखकर कार्य करें.

उदयकालीन ग्रह चाल

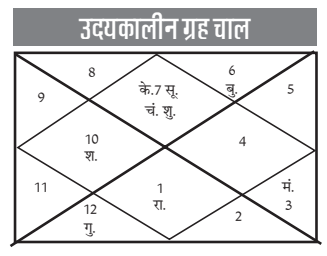

पंचांग

रा.मि. 01 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल द्वितीया भौमवासरे रात 2/48, हस्त नक्षत्रे दिन 1/14 ब्रह्म योगे रात 9/1, बालव करणे सू.उ. 6/0, सू.अ. 6/0, चन्द्रचार कन्या रात 2/20 से तुला, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल द्वितीया को हस्त नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड रूई, कपास, जूट, पाट, बारदाना गेहूँ जौ, चना के भाव में मंदी की चाल रहेगी. जीरा, धनियां, लालमिर्च, अजवाईन, में नरमी रहेगी. इसके बाद में तेजी होगी. भाग्यांक 3564 है.

SUDOKU 7162

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7161

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1